



जयगूरु

न१लालेल सारस्वत संघ, पूरी

गाखा - आमेरिका सारस्वत संघ

पूर्खम बाष्पिक अधिबेशनर कार्यपूर्वक

तारीख - ०१-७-०८

समय - ०७:४०-१९:०० (ET) / १९:४०-२१:०० (GMT)

पालिआ - झान भाइ

Phone Number - (702) 851-4040, Access Code - 52924878

Time (ET)	पूर्खम अधिबेशन (सकाळ ७:४० रु ९:३०)	First session (7:50am - 9:30am)
7:50 – 8:00	प्रतिक्षा - मन मन्दिर सप्त द्वारा बृद्धादेन भाइ	Pratiksha – Mana mandira Brundaban Bhai
8:00 – 8:15	आरति	Aarati
8:15 – 8:30	बदना (बदल गूरु चरण), स्तोत्र बदना	Bandaee Gurucharana, Stotra Bandana
8:30 – 8:40	परिचय पत्र	Parichaya Patra Bijoy Bhai
8:40 – 8:41	श्री श्री गुरुगीता (ग्रोक ४०)	Shri Shri GuruGeeta (Verse 50) Biswajit Bhai
8:41 – 9:00	संघसेवक ग भाग, पूर्खम संख्या पार्थना ओ पार्थनाकारीकां प्रति	Sangha Sebak 6 th year 1 st part Gyan Bhai Prarthana and Prarthanakarinka prati
9:00 – 9:01	प्रवेश निमित्त	Invitation for the next session Gyan Bhai
9:01 – 9:05	जयगूरु नाम कार्त्तन, प्रशान्त ओ आसन बद	Jayaguru nama kirtana and closing of aasana
9:05 – 9:30	बाल्यभोग निबेदन ओ प्रसाद योगेन	Balya Bhoga Nibedana and Prasada Sevana

Time (ET)	द्वितीय अधिबेशन (सकाळ ९:४४ – १२:००)	Second session (9:55am - 12:00am)
9:55 – 10:00	आवाहन	Aabahana Tuna Bhai
10:00 – 10:02	प्रशान्त गान परे प्रदान उन्मुक्ति	Pranama and opening of the curtain
10:02 – 10:20	श्री श्री ठाकुरक बाणी	Nigama Upadesha Shyam Bhai
10:20 – 10:25	बाष्पिक बिवरणी	Annual Report Gyan Bhai
10:25 – 11:45	पुस्तक पाठ ओ आलोचना	Book Reading and Discussion Shyam Bhai
10:25 – 11:45	संगीत	Songs Tuna Bhai
11:45 – 11:50	भाब बिनिमय	Bhaaba Binimaya
11:50 – 11:52	आसन संघपूजा पाल निमित्त (९-७-०८)	Invitation for the next puja (2-6-05) Bijoy Bhai
11:52 – 11:54	त्रुटि बिच्युति पाल क्षमा पार्थना	Truti Bichyuti Gyan Bhai
11:54 – 11:56	बिदाय पार्थना	Last Song Tuna Bhai
11:56 – 12:00	जयगूरु नाम कार्त्तन ओ आसन बद	Jayaguru naama kirtana and closing of aasana
12:00 – 12:05	संघसेवक उपस्थान	Attendance Gyan Bhai
12:05 – 12:30	भोग निबेदन ओ प्रसाद योगेन	Bhoga Nibedana and Prasada Sevana

ମନ ମନ୍ଦିର ସପତ ଦୁଆର

ମନ ମନ୍ଦିର ସପତ ଦୁଆର ଛାହଁ ଛାହଁ ଯାଏ ମୋଲି
ତୁମେ ଯେବେ ସଖା ହୃଦୟରେ ଦିଅ ମରମ-କିଳିଶି ଖୋଲି ।୧୦

ମୁକୁଳା ଦୁଆର ଉତ୍ତରରେ ଥାଇ ସତେ
ଦରଦର ହୃଦୟ କିଣ ସେ ଅନାହଁ ମୋତେ
ସପନ କି ସତ, ମୁଦା ଅବା ମେଲା ଆଖି, ବାରି ନ ପାରିଲି
ଜୀବନ-ମରଣ ଚିର ପରିଚିତ ଛବି ସେ କି ନିରେଖିଲି ! ।୧୧

ହୃଦୟରୁ ତୁମର ଆଲୋକର ଧାରା ଖ୍ୟେ
କଳାମେଘ ତଳେ ଚହଟ-ଚପଳା କି ସେ
ଅନ୍ଧ ଏ ଆଖିପତା ତଳେ ଦିଅ ଅଞ୍ଚଳ ଲେଖା ବୋଲି
ଆଲୋକ, ଆଲୋକ, ଆଲୋକ ନିରେଖେ ଚଉଦିଗେ ମୋର ଖାଲି ।୧୨

ଡୁମେ ଯେବେ ସଖା ଦୁଆର ଦିଅ ଗୋ ମୁଦି
ଘେରି ତ' ଯାଆନ୍ତି ଭଗାରିଏ ଦାଉ ସାଧି
ତୁମେ କି ପଥର ପାଲଚିବ, ମୋତେ ନ ଘେନିବ ଦାସ ବୋଲି
କୋଠି ଅପରାଧ କ୍ଷମା କର, ପଦ ତଳରୁ ନ ଦିଅ ଶେଳି ।୧୩